हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, मंगलवार 30 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सेफ क्लिक 2.0 के तहत खिचकीड़ी पहुंची मानपुर पुलिस

मानपुर। बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान - सेफ क्लिक 2.0 के तहत थाना मानपुर पुलिस ने नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित ग्राम खिचकीड़ी में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी बैंक कॉल, ओटीपी एवं यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों के तरीकों की जानकारी देते हुए सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि थोड़ी-सी सावधानी बड़ी आर्थिक हानि से बचा सकती है। लोगों को समझाया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, सीवीवी या पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

सिकल सेल वंशानुगत बीमारी, जन जागरूकता जरूरीः डॉ. परिहार

शहडोल। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस. परिहार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय शहडोल के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी समन्वय स्थापित करते हुए मैदानी स्तर पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अपने स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा करें जिससे मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने स्वास्थ्य विभाग में लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का निराकरण समय सीमा में प्राथमिकता के साथ करना सुनिश्चित करें कोई भी प्रकरण अनअटेंडेंट ना रहे। उन्होंने राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए की उक्त कार्यक्रम का उन्मूलन 2026 तक निर्धारित किया गया है इसके लिए सशक्त कार्य योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया के प्रति लोगों को जागरूक करें,सिकल सेल वंशानुगत बीमारी है।

ब्रजेश शुक्ला ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

बुढ़ार अधिवक्ता संघ चुनावः जयकांत मिश्रा दूसरी बार बने अध्यक्ष

शहडोल। अभिभाषक संघ बुढ़ार के सत्र 2026-28 के लिए संपन्न हुए चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के चुनावी समर में वकीलों ने बेहद सूझबूझ और उत्साह के साथ अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया है। चुनावी नतीजों की समीक्षा करें तो वरिष्ठ अधिवक्ता जयकांत मिश्रा ने लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा बरकरार रखकर यह साबित कर दिया है कि संघ के भीतर उनकी लोकप्रियता और कार्यशैली पर अधिवक्ताओं का भरोसा अटूट है। वहीं दूसरी ओर, सचिव पद पर ब्रजेश कुमार शुक्ला ने इस पूरे चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की है।

अध्यक्ष और सचिव पद पर जोरदार मुकाबलाः मतों का अंतर

अध्यक्ष पद के त्रिकोणीय और कड़े मुकाबले में श्री जयकांत मिश्रा को कुल 182 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी शैलेंद्र कुमार सिंह को 137 मतों से संतोष करना पड़ा। जयकांत मिश्रा ने 45 मतों के अंतर से शिकस्त देते हुए दोबारा अध्यक्ष की कुर्सी संभाली है। इस पूरे चुनाव का सबसे आकर्षक और एकतरफा मुकाबला सचिव पद पर देखने को मिला। सचिव पद के प्रत्याशी श्री ब्रजेश कुमार शुक्ला ने कुल 194 मत हासिल किए, जो कि इस पूरे चुनाव में किसी भी प्रत्याशी द्वारा पाए गए सर्वाधिक वोट हैं। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी मनोज कुमार गौतम (123 मत) को 71 वोटों के भारी अंतर से पराजित किया। ब्रजेश शुक्ला को मिला यह प्रचंड बहुमत संघ में उनके प्रति भारी विश्वास को दर्शाता है।

उपाध्यक्ष, सह-सचिव और अन्य पदों पर रहा कड़ा संघर्ष

उपाध्यक्ष पद के लिए भी मुकाबला काफी दिलचस्प रहा, जहां तीन उम्मीदवारों के बीच टक्कर थी। इसमें संतशरण मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 160 मत पाकर जीत हासिल की, जबकि उनके मुकाबले में खड़े कुलदीप कुमार मिश्रा को 78 और अनिमेष कुमार गुप्ता को केवल 74 मत ही मिल सके। सह-सचिव के पद पर ओंकार प्रसाद गुप्ता ने 147 मत पाकर अपनी जीत

सुनिश्चित की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी संतोष कुमार गुप्ता (92 मत) और अविनाश कुमार पाठक (78 मत) को पीछे छोड़ दिया। कोषाध्यक्ष पद पर महिला शक्ति का दबदबा दिखा, जहां श्रीमती मंजू तोमर ने 183 मत हासिल कर प्रेमलता कचेर (118 मत) को 65 वोटों के अंतर से शिकस्त दी और विजयी रहीं। ग्रन्थपाल पद पर जितेन्द्र कुमार मिश्रा ने 182 मत प्राप्त कर रमेश चन्द्र त्रिपाठी (98 मत) को बड़े अंतर से मात दी।

महिला शक्ति का कार्यकारिणी में शानदार प्रदर्शन

7 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए हुए चुनाव में भी कड़ा मुकाबला देखा गया। कार्यकारिणी सदस्यों में संजना श्रीवास्तव 190 मत पाकर शीर्ष पर रहीं। इसके बाद मोनिका केवट को 164 मत, पिंकी सिंह को 152 मत, शुभम जैन को 152 मत और गिरीश चन्द साहू को 130 मत मिले और ये सभी निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं, सबीना बानो (119 मत), रिजवाना आजमी (117 मत), रामसुन्दर त्रिपाठी (117 मत) और रमेश प्रजापति (104 मत) दौड़ में पीछे रह गए। इस बार अधिवक्ताओं ने अनुभव और सक्रियता को प्राथमिकता दी है। जयकांत मिश्रा की दोबारा ताजपोशी और ब्रजेश शुक्ला को मिले रिकॉर्ड 194 मतों ने यह साफ कर दिया है कि बुढ़ार अभिभाषक संघ की नई कमान बेहद मजबूत हाथों में सौंपी गई है। जीत के बाद संघ परिसर में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

कलेक्टर की चौखट पर पहुंचे ग्रामीण

पैसे की धौंस और झूठी एफआईआर का खेल!

शहडोल। कोयलांचल क्षेत्र के सिगुड़ी गांव में इन दिनों भारी तनाव का माहौल है। एसईसीएल (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) में पदस्थ एक रसूखदार कर्मचारी की कथित गुंडागर्दी, गाली-गलौज और आए दिन की मारपीट से तंग आकर आखिरकार पूरा गांव लामबंद हो गया है। सोमवार को सिगुड़ी के आक्रोशित ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपी कर्मचारी न सिर्फ अपनी ऊंची पहुंच और पैसे की धौंस दिखाता है, बल्कि पूरे गांव को झूठे मुकदमों में फंसाने के लिए आत्महत्या और मर्डर की मनगढ़ंत कहानियां रच रहा है।

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने गांव के ही निवासी उदय भान पिता स्वर्गीय सूरज सिंह पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उदय भान एसईसीएल का एक रसूखदार शासकीय कर्मचारी है। वह अपनी नौकरी और पैसे के मद में इतना चूर है कि गांव के हर छोटे-बड़े मामलों में जबरन हस्तक्षेप करता है। जब भी ग्रामीण उसकी इस तानाशाही का विरोध करते हैं, तो वह विवाद, गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाता है। हद तो तब हो जाती है जब खुद विवाद खड़ा करने के बाद वह अपनी पत्नी और बच्चों को ढाल बनाकर थाने पहुंच जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपी बड़े नेताओं और ऊंचे अधिकारियों से फोन कॉल करवाकर पुलिस पर दबाव बनाता है और ग्रामीणों के खिलाफ मनगढ़ंत व झूठी एफआईआर दर्ज करवा देता है। शिकायत पत्र में एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर खुलासा किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी उदय भान लगातार गांव वालों को यह कहकर डराता है कि गांव वाले मेरा मर्डर कराना चाहते हैं, मुझे कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदार यहां के नामजद लोग होंगे। ग्रामीणों ने कलेक्टर को दो टूक शब्दों में अवगत कराया है कि उदय भान के चाल-चलन और विवादित रवैये के कारण जहां वह नौकरी करता है, वहां भी उसके कई दुश्मन हैं। इसके अलावा उसके ससुराल पक्ष की ओर से कोल माइंस में करीब 30 साल पहले उसे नौकरी दिलाई गई थी और वर्तमान में वह फिर से एक और नौकरी की नाजायज मांग कर रहा है। इस पारिवारिक और बाहरी विवाद के कारण करीब 23 नौकरियां अटकी हुई हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इस आपसी रंजिश के कारण उसके साथ कभी भी कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है या वह खुद को नुकसान पहुंचा सकता है। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि यदि वह कोई आत्मघाती कदम उठाता है, तो उसमें पूरे गांव या किसी भी नामजद ग्रामीण की कोई गलती नहीं होगी, वह स्वयं अपनी हरकतों का जिम्मेदार होगा।

सिगुड़ी गांव के दर्जनों ग्रामीणों कमल भान, शिवराज सिंह, युवराज सिंह, दीपक सिंह, बृजेंद्र सिंह, कल्याण सिंह सहित अन्य ने अपने हस्ताक्षरों और मोबाइल नंबरों के साथ यह सामूहिक शिकायत दर्ज कराई है। कलेक्ट्रेट कार्यालय में 29 जून की सील भी लग चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि पूर्व में कई बार शिकायत करने के बावजूद इस रसूखदार कर्मी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। यदि अब भी जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और ग्रामीणों को इस मानसिक व कानूनी प्रताडऩा से मुक्त नहीं कराया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने लगाया गया चौपाल

शहडोल। प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत शहडोल जिले के समस्त थाना के अंतर्गत व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी ई के वाई सी अपडेट, ओटीपी साझा करने से होने वाली धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड, ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी सहित विभिन्न साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। नागरिकों को बताया गया कि किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक अथवा संदेश पर बिना सत्यापन विश्वास न करें तथा अपनी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस अवसर पर नागरिकों के बीच साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पेम्फलेट वितरित किए गए तथा संदिग्ध साइबर घटनाओं की तत्काल सूचना राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में देने सहित अन्य जानकारियों से अवगत कराया गया।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ बफर जोन में वनाधिकार का फर्जीवाड़ा

बर्खास्त वनकर्मी ही निकला वनभूमि पर अतिक्रमण कराने वाला मास्टरमाइंड

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में वनभूमि पर अवैध अतिक्रमण कराने और सरकार की वनाधिकार योजना की आड़ में कूट रचित (फर्जी) दस्तावेज तैयार करने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बिजुरी में घेराबंदी कर इस फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड और पूर्व वनकर्मी तितुर सिंह धुर्वे को जाल बिछाकर रंगे हाथों दबोच लिया है। आरोपी को उस वक्त पकड़ा गया जब वह भोले-भले ग्रामीणों से फर्जी वनाधिकार पत्र बनवाने के नाम पर मोटी रकम की सौदेबाजी और अवैध लेन-देन कर रहा था। पकड़ा गया आरोपी तितुर सिंह धुर्वे तत्कालीन उमरिया वनमंडल के मानपुर परिक्षेत्र में कभी वनकर्मी के पद पर पदस्थ था। उसकी संदिग्ध हरकतों और कारनामों के चलते उसे वर्ष 2009 में ही शासकीय सेवा से बाहर (पृथक) कर दिया गया था, लेकिन, सरकारी सेवा से हटने के बाद भी उसकी दबंगई और जालसाजी खत्म नहीं हुई। आरोपी खुद को साहब बताकर वनाधिकार

अधिनियम, 2006 के कड़े प्रावधानों का खुलेआम दुरुपयोग कर रहा था। वह फर्जी सील-सिक्कों और जाली सरकारी दस्तावेजों के दम पर ग्रामीणों को वनभूमि पर कब्जा करने के लिए उकसा रहा था।मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, उप संचालक योहान कटारा और एसडीओ नितिन निगम के कड़े रुख के बाद मानपुर बफर वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकित सोनी की टीम ने एक्शन लिया। विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 10688/01 दर्ज कर उसे हवालात के पीछे भेज दिया है। आशंका जताई जा रही है कि इस फर्जीवाड़े के तार कई अन्य सफेदपोशों और रसूखदारों से भी जुड़े हो सकते हैं।इस बड़ी और रणनीतिक कार्रवाई को अंजाम देने में उप वन क्षेत्रपाल भाई लाल सिंह, वनपाल सुनील ठाकुर व शंकर कोल, वनरक्षक भूपेंद्र सिंह रावत, अनीता दहायत, सूर्यभान, प्रदीप कुमार, तेजलाल बैगा, रुबीना अंसारी, सत्येंद्र सिंह रजावत सहित चालक दीपक बर्मन, नागेश्वर और ओम प्रकाश सिंह की सराहनीय व अद्वितीय भूमिका रही। वन विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि जंगलों को चारागाह समझने वाले भू-माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

अवैध रेत परिवहन करते हाईवा जब्त

शहडोल। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है। इसी कड़ी में ब्यौहारी पुलिस ने रेत माफिया के मंसूबों पर पानी फेरते हुए एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर समधिन नदी के किनारे झाड़ियों के बीच छिपे एक रेत से लदे विशालकाय हाईवा ट्रक को रंगे हाथों दबोच लिया। इस पूरी कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध रेत कारोबारियों में हडक़ंप मच गया है। मामला 28 जून 2026 का है, जब ब्यौहारी थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम कल्हारी स्थित समधिन नदी के पास झाड़ियों की आड़ में एक हाईवा ट्रक में धड़ल्ले से अवैध रेत लोड की जा रही है। इत्तेफाक से ओवरलोडिंग या किसी तकनीकी खराबी के कारण वह वाहन मौके से हिल नहीं पाया। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस ने बिना वक्त गवाएं मौके पर दबिश दी।

पुलिस जब पहुंची, तो हाईवा क्रमांक एमपी 18 एचई 4010 पूरी तरह अवैध रेत से लबालब भरा हुआ था। पुलिस ने मौके पर मौजूद चालक राम सजीवन यादव उम्र 39 वर्ष, निवासी अमलई, सीधी को दबोचकर जब रेत के परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज और रॉयल्टी पर्ची मांगी, तो वह बगलें झांकने लगा। किसी भी प्रकार का वैध कागज न होने पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया।

पुलिस ने करीब 50 हजार रुपये मूल्य की अवैध रेत समेत लाखों रुपये की कीमत का हाईवा ट्रक विधिवत जब्त कर लिया है। पुलिस इस मामले में सिर्फ मोहरे (चालक) पर नहीं रुकी, बल्कि इसके पीछे के असली चेहरों पर भी शिकंजा कसा है। पुलिस ने चालक राम सजीवन यादव के साथ-साथ वाहन मालिक दीमांशु मिश्रा उर्फ छोटू और अवैध रेत ठीहा संचालक अतुल सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, खान एवं खनिज अधिनियम और मोटर वाहन अधिनियम के तहत गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। इस कार्रवाई में ब्यौहारी थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक, उपनिरीक्षक बालकरण प्रजापति, प्रधान आरक्षक हीरा सिंह, आरक्षक विवेक सूर्या, गंगा सागर गुप्ता और पंकज की सराहनीय भूमिका रही।

सहयोग कर रहे थे, फिर भी ढहा दी दुकान!

परिजनों ने घेरा थाना, सीएमओ पर एफआईआर की मांग

शहडोल। शहर में जिला प्रशासन और नगर पालिका की तथाकथित सुधार मुहिम अब आक्रोश के ज्वालामुखी में तब्दील हो चुकी है। इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक बुढार रोड पर सडक़ चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासनिक तानाशाही और घोर लापरवाही का एक खौफनाक मंजर सामने आया है। कार्रवाई के दौरान मलबे में दबकर दो स्थानीय व्यापारी लहूलुहान हो गए, जिसके बाद पूरे शहर का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भडक़े परिजनों और स्थानीय लोगों ने न सिर्फ नगर पालिका की जेसीबी पर जमकर पथराव किया, बल्कि सीधे कोतवाली थाने पहुंचकर नपा सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर और उनकी टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए मोर्चा खोल दिया है।

जब न्यू बस स्टैंड मार्ग पर प्रशासनिक पीला पंजा गरज रहा था, तब पीड़ित व्यापारी सीताराम गुप्ता और रविकांत गुप्ता कानून का सम्मान करते हुए अपनी दुकान व मकान से सामान खाली कर रहे थे। परिजनों का सीधा और बेहद गंभीर आरोप है कि मौके पर खुद सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर मौजूद थे। इसके बावजूद, बिना यह सोचे-समझे कि अंदर इंसान मौजूद हैं, बेरहमी से जेसीबी चलाने के निर्देश दे दिए गए। देखते ही देखते भारी-भरकम मलबा दोनों व्यापारियों के ऊपर आ गिरा। हद तो तब हो गई जब हादसे के बाद घायलों को तड़पता छोड़ सीएमओ और नगर पालिका का अमला मौके से नौ दो ग्यारह हो गया। इस अमानवीय रवैये को देखकर वहां मौजूद जनता का खून खौल उठा और उन्होंने पथराव कर नपा के सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

मामले को तूल पकड़ता देख और चौतरफा घिरने के बाद अब प्रशासन डैमेज कंट्रोल में जुट गया है। नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों का हालचाल जाना। नपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा कि घायलों की सीटी स्कैन रिपोर्ट सामान्य है और स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने डैमेज कंट्रोल की मुद्रा में आते हुए घायलों को निजी अस्पताल में इलाज कराने पर हरसंभव आर्थिक मदद देने और छोटे व्यापारियों की आजीविका के लिए उचित व्यवस्था करने का झुनझुना भी थमाया है।

गौरतलब है कि शहर को जाममुक्त बनाने के नाम पर जिला प्रशासन ने यह अभियान शुरू किया था। व्यापारियों के भारी विरोध के बाद सडक़ की चौड़ाई 18 मीटर से घटाकर 17 मीटर तो कर दी गई थी, लेकिन बिना मुकम्मल तैयारी और सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर की गई इस अंधाधुंध कार्रवाई ने प्रशासन के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच की बात कह रही है, लेकिन शहर की जनता में इस बुलडोजर तंत्र के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

दिव्यांग बच्चो की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन हेतु आयोजित होंगे विशेष कैंप

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियो को पत्र जारी किया है कि जिले में दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिनमे ऐसे दिव्यांग बच्चे जिनकी आयु 0 से 18 वर्ष है उनके आकलन पश्चात जिले के विभिन्न विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाये जाएंगे। जारी पत्र के अनुसार 30 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू, 1 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार, 2 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर, 3 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर एवं 4 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी को विशेष कैंप आयोजित किये जाएंगे।

एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से घर बैठे प्राप्त करें शासकीय सेवाओं का लाभ

शहडोल। राज्य शासन द्वारा नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल एप संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के नागरिक अब विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए स्वयं सिटीजन लॉगिन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर राजस्व, कृषि एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण, शिक्षा, नगरीय विकास, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन सहित विभिन्न विभागों की नागरिक-केंद्रित सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हैं।

खबर संक्षेप

5 नगरीय निकायों को जुलाई माह हेतु किया गया गेहूं एवं फोर्टीफाईड चावल का आवंटन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजनान्तर्गत माह जुलाई 2026 हेतु राशन सामग्री के लिए गेहूं 64.8 क्विंटल व फोर्टीफाईड चावल 16.2 क्विंटल कुल 81 क्विंटल खाद्यान्न का आवंटन जिले को उपलब्ध कराया गया है। जिसमें से जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने नगरपालिका कोतमा के उचित मूल्य दुकान कोतमा वार्ड 01 से 04 नगरपालिका को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल, नगरपालिका अनूपपुर के उचित मूल्य दुकान अनूपपुर वार्ड 11 से 13 को गेहूं 4.8 क्विंटल तथा चावल 1.2 क्विंटल, नगरपालिका बिजुरी के उचित मूल्य दुकान बिजुरी वार्ड 02 से 06 को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल, नगरपालिका पसान के उचित मूल्य दुकान पसान वार्ड 08 से 13 को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल एवं नगर परिषद अमरकंटक के उचित मूल्य दुकान अमरकंटक वार्ड 8 से 15 नगरपालिका को गेहूं 24 क्विंटल तथा चावल 6 क्विंटल आवंटित किया है। योजनान्तर्गत गेहूं व चावल का प्रदाय एक रुपये प्रति कि.ग्रा. की दर से किया जाएगा।

औढेरा में आयोजित होगा जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह 30 जून को अपराह्न 3:00 बजे से नवीन तालाब निर्माण स्थल ग्राम-औढेरा, जनपद पंचायत जैतहरी मे मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी में देते हुए बताया है कि समापन कार्यक्रम के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जायगा। आयोजन के सफल क्रियान्वयन हेतु विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला अनूपपुर के बिजुरी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14, गौटियान मोहल्ला, लोहसरा भाछा निवासी स्वर्गीय रूपलाल केवट की दुर्घटना में मृत्यु होने के उपरांत उनकी पत्नी श्रीमती यशोदा केवट को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के आहरण एवं संवितरण की मंजूरी प्रदान की है। कलेक्टर द्वारा प्रदत्त स्वीकृति के अनुसार संबंधित विभाग को नियमानुसार सहायता राशि का आहरण एवं हितग्राही को वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आर्थिक सहायता दुर्घटना से प्रभावित परिवार को तत्काल आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से स्वीकृत की गई है।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का आवेदन 30 जून तक

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति हेतु डच्ज्।। पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं किया है वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन कर दें। इसके साथ ही जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी संस्था में अध्ययनरत सभी पात्र विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति का आवेदन कराएं।

जिले में 0.5 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 0.5 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी हरदी की विकास योजनाएं

साल भर भी नहीं टिकी लाखों की सीसी सड़क

उखड़ी गिट्टियां खोल रही उपयंत्री-सरपंच-सचिव के गठजोड़ की पोल

शहडोल।

जिला मुख्यालय की जनपद पंचायत सोहागपुर के तहत आने वाली ग्राम पंचायत हरदी इन दिनों भ्रष्टाचार का नया अखाड़ा बन चुकी है। सरकार की ओर से ग्रामीणों की सहूलियत के लिए लाखों रुपये का बजट जारी किया जाता है, लेकिन हरदी पंचायत में बैठे जिम्मेदार इस बजट को जनता की सुविधा में लगाने के बजाय अपनी जेबें भरने में मशगूल हैं। आलम यह है कि लाखों रुपये की लागत से बनी महज 200 मीटर की सीसी सडक़ साल भर का समय भी पूरा नहीं कर पाई और पहली ही हल्की बारिश ने इस निर्माण कार्य के साथ-साथ पंचायत प्रशासन के दावों की भी धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। सडक़ से गिट्टियां इस कदर उखड़ रही हैं, मानो सीमेंट की जगह सिर्फ धूल और मिट्टी का इस्तेमाल किया गया हो।

उपयंत्री की मेहरबानी-सरपंच-सचिव की मनमानी

इस पूरे खेल में सबसे बड़ा और गंभीर सवाल उस उपयंत्री पर खड़ा हो रहा है, जिसकी नाक के नीचे यह घटिया निर्माण कार्य अंजाम दिया गया। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि निर्माण के दौरान दो से तीन बार उपयंत्री महोदय ने मौके का मुआयना करने का ढोंग तो किया, लेकिन उन्होंने तकनीकी मानकों को दरकिनार कर

सरपंच और सचिव को खुली छूट दे दी। ग्रामीणों ने जब घटिया निर्माण को लेकर आवाज उठाई, तो सरपंच और सचिव ने सत्ता और रसूख के नशे में उनकी एक न सुनी। तकनीकी तौर पर काम को सही ठहराने और गुणवत्ता की जांच करने की जिम्मेदारी जिस उपयंत्री की थी, उसने दफ्तर में बैठकर कागजी खानापूर्ति कर दी। यह साफ तौर पर उपयंत्री, सरपंच और सचिव के उस त्रिकोणीय गठजोड़ को उजागर करता है, जो विकास के पैसों का बंदरबांट करने में लगा हुआ है।

लापरवाही नहीं, यह सीधे-सीधे डकैती

ग्राम हरदी के सजग नागरिक छोटेलाल यादव ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा सडक़ बनते समय ही दिख रहा था कि इसमें भारी धांधली हो रही है। इंजीनियर साहब आते थे, देखकर चले जाते थे। मानकों को पूरी तरह हवा में उड़ा दिया गया और आज नतीजा सबके सामने है। वहीं गांव के शिवलाल बैगा ने बताया कि उन्होंने निर्माण के वक्त ही सडक़ की बेहद खराब गुणवत्ता को लेकर सीधे सरपंच और सचिव से आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन जनता के प्रतिनिधि और सेवक बनने का दावा करने वाले इन जिम्मेदारों ने ग्रामीणों को दुत्कार कर भगा दिया। ग्रामीण गेर्बल बैगा ने इस मामले में सीधे संबंधित विभाग के उपयंत्री को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि अगर तकनीकी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाता और दलाली छोडक़र ईमानदारी से काम करता, तो आज जनता का पैसा इस तरह पानी में नहीं बहता।

स्ट्रीट लाइटों में भी हुआ है बड़ा खेल

हरदी पंचायत में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मामला सिर्फ एक सडक़ तक सीमित नहीं है। ग्रामीणों के मुताबिक, ग्राम पंचायत में लगाई गई स्ट्रीट लाइटों के नाम पर भी सरकारी खजाने को जमकर चूना लगाया गया है। कागजों पर चमचमाती लाइटों की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि अगर जिला प्रशासन इस पंचायत में हुए सभी कार्यों का निष्पक्ष भौतिक सत्यापन करवा दे, तो सरपंच, सचिव और उपयंत्री की तिकड़ी का एक ऐसा घोटाला उजागर होगा जो पूरे जिले को चौंका देगा।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से गुहार

भ्रष्टाचार और तानाशाही के इस माहौल से त्रस्त होकर अब हरदी के ग्रामीणों ने आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मुलाकात कर इस पूरे मामले की लिखित शिकायत सौंपने जा रहा है। उनकी स्पष्ट मांग है कि सडक़ और स्ट्रीट लाइट घोटाले की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए और सरकारी पैसे का दुरुपयोग करने वाले उपयंत्री, सरपंच और सचिव के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए।

इनका कहना...

सडक़ खराब हो चुकी है, इस मामले की जानकारी ठेकेदार को देंगे और इसको सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

अज्जू बैगा
सरपंच ग्राम पंचायत हरदी

जनजातीय वर्ग के मानव अधिकारों का संरक्षण संवेदनशीलता के साथ करें: अध्यक्ष मानव अधिकार आयोग

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने की पत्रकारों से चर्चा

उमरिया।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने सर्किट हाउस, उमरिया में पत्रकारों से स्वजन भेंट की तथा उनसे चर्चा की। उन्होंने जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से मानव अधिकारों, आयोग की कार्यप्रणाली तथा जिले से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न एवं सुझाव जानें तथा आयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर आयोग अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों के सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा एवं संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाना तथा मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में मानव अधिकारों के संरक्षण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वन्यजीवों से प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में सुनवाई संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में मानव अधिकार आयोग की सुनवाई संपन्न हुई। बैठक में राजस्व, वन,पुलिस आदि से संबधित मानव अधिकार उल्लंघन संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर जिला प्रशासन के अधिकारियों को समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उमरिया क्षेत्र जनजाति बाहुल्य है । विशेष रूप से जनजातीय वर्ग के लोगों के अधिकारों का संरक्षण पूरी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजातीय समुदाय से जुड़े मामलों में त्वरित कार्यवाई करते हुए उन्हें समय पर न्याय एवं आवश्यक शासकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। सभी प्रकरणों में पीड़ितों नियम समय मे सहायता व मदद मिलें । प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर वन विभाग पीड़ितों को समय सीमा में लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होने कहा कि अधिकांश प्रकरण जंगली जानवरों द्वारा नागरिकों पर हमलों से संबंधित है । जान माल की सुरक्षा हेतु वन विभाग व पुलिस के समन्वय से तत्परता से नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए तथा प्रभावित परिवारों को नियमानुसार शीघ्र सहायता प्रदान की जाए।

आयोग अध्यक्ष ने कहा कि वन्यजीवों से संबंधित घटनाओं में त्वरित सूचना, प्रभावी बचाव एवं राहत कार्य सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही मानव अधिकारों से जुड़े सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निराकरण किया जाए। इस दौरान उन्होने पक्षकारों के भी पक्ष सुने तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी सहायता प्रदान की गई है उसकी विस्तृत रिपोर्ट आयोग को दिया जाना सुनिश्चित करें । आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि आम जनों को वन्य प्राणियों से बचाव के लिए जागरूक करनें का भी प्रयास सतत रूप से किया जाए।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी, उप पुलिस महा निरीक्षक भोपाल मुकेश कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक भोपाल रसना ठाकुर , सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, उप संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व योहान कटारा, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सकरा में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के प्रधान जलिा एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के आदेशानुसार ग्राम पंचायत सकरा में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में ग्राम पंचायत सकरा में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को सचिव, रावेन्द्र कुमार सोनी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत की उपयोगिता, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का त्वरित एवं सरल समाधान किया जा सकता है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर आवश्यक विधिक परामर्श भी प्रदान किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित उप सरपंच दादूराम सिंह, सचिव संजय मिश्रा व ग्राम पंचायत के पंचगण व पैरा लीगल वालंटियर रामखेलावन पटेल एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी नागरिकों से अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया गया।

निःशुल्क सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण का हुआ समापन, खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोतमा मार्शल आर्ट खेल एवं कला अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक एवं निदेशक देवशरण सिंह के मार्गदर्शन में 15 अप्रैल से संचालित निःशुल्क सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण शिविर का समापन वार्ड क्रमांक 10, कोतमा में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान बालक एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा एवं ताइक्वांडो की विशेष तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला ताइक्वांडो खेल समिति के सचिव देवशरण सिंह ने कहा कि ताइक्वांडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और आत्मरक्षा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास कर जिले, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में दुर्गा सिंह कोरम, डॉ. पंकज सिंह, नोहर सिंह, बीरान सिंह, राजकमल तिवारी, सुदर्शन रेकवार, अभय सिंह सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। समापन समारोह में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मोहिनी धर्मेंद्र वर्मा, श्रीमती उर्मिला हनुमान गर्ग, रिंकू चौरसिया, धनंजय ठाकुर, राष्ट्रीय ताइक्वांडो कोच मोहन आदित्य तथा नेशनल कोच बसंत गोटिया सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी गईं तथा ताइक्वांडो एवं आत्मरक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

महिला मोर्चा की 28 महिलाओं ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म में प्रमाण पत्र किया प्राप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के निर्देश पर तथा पार्वती बाल्मिक राठौर (अध्यक्ष) महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर के मार्गदर्शन में जिले के सभी मंडलों में जून माह के अंतिम रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन कि बात प्रमुख के 135 वे कार्यक्रम को जिले कि महिला मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं, सदस्यो ने अपने निवास पर सुना। नरेन्द्र मोदी ने मन कि बात प्रमुख रूप से यह कहा, कि हमारे देश में गणेश भगवान की पूजा होती है। जो भी स्थानीय कुम्हार, मूर्तिकार, कलाकार हैं, वे हमारे देश कि मिट्टी से ही गणपति बप्पा की मूर्ति बनाये। मिट्टी की मूर्तियां सहज रूप से पानी में विलीन हो जाती है। जिससे नदियों, तालाबों, के पर्यावरण की रक्षा होती है। जिससे हमारे देश के ही लोगों को रोजगार मिलेगा। जिससे लोकल फार वोकल का बढ़ावा मिलेगा। जिससे प्रेरित होकर पार्वती बाल्मीक राठौर (अध्यक्ष) महिला मोर्चा अनुपपुर ने नरेन्द्र मोदी के बताए मार्ग पर सभी जिले वासियो को चलने को प्रेरित किया। वर्तमान मे यह वर्ष प्रशिक्षण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर रविवार को ही 28 महिला मोर्चा की सदस्यो एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर डिजिटल रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किया। और अपनी सहभागिता निभाते हुवे सभी 28 महिलाओं ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

कोतमा में अतिक्रमण बना बड़ी समस्या

प्रमुख मार्गों पर हर दस मिनट में लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर के प्रमुख मार्गों पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने आम नागरिकों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क किनारे बड़े दुकानदारों और फुटपाथी व्यापारियों द्वारा मनमाने तरीके से कब्जा किए जाने से सड़कें संकरी हो गई हैं। कई स्थानों पर राहगीरों के लिए पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, जबकि वाहनों का आवागमन भी बार-बार बाधित हो रहा है। नगर के पुराना अस्पताल रोड, सब्जी मंडी रोड, स्टेशन चौक, पंचायती मंदिर रोड, पोस्ट ऑफिस रोड, जकीरा चौक, गुरुद्वारा तिराहा, गांधी चौक, मुखर्जी चौक तथा बस स्टैंड जाने वाले प्रमुख मार्गों पर दुकानदार अपनी दुकानों की सीमा से बाहर तक सामान सजाकर सड़क का बड़ा हिस्सा घेर रहे हैं। इसके कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है और आमजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय लगभग 20 फीट चौड़ी दिखाई देने वाली सड़कें सुबह 10 बजे के बाद अतिक्रमण के कारण महज 5 फीट तक सिमट जाती हैं। इससे पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ तक उपलब्ध नहीं रह जाता और वाहन चालकों को भी आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में जकीरा चौक स्थित हनुमान मंदिर से आजाद चौक जाने वाले मार्ग की स्थिति सबसे अधिक गंभीर बनी हुई है। यहां सड़क के दोनों ओर बीज विक्रेताओं द्वारा बीज की बोरियां सड़क पर रखकर बिक्री की जा रही है, जिससे सड़क और अधिक संकरी हो गई है। रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान स्थिति और भी विकट हो जाती है। हर दस मिनट में जाम लगने से लोगों को लंबे समय तक फंसना पड़ता है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए, ताकि नागरिकों को रोजाना होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष का कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक ने किया स्वागत

उमरिया। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह के उमरिया आगमन पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी , सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने आत्मीय स्वागत किया । इस दौरान अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कटंगी खुर्द में दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र के ग्राम कटंगी खुर्द में शनिवार की रात करीब 10 बजे दो पड़ोसियों के बीच भारी बवाल हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि रात के सन्नाटे में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर देर रात ही मामला कायम कर लिया। 62 वर्षीय रामकृष्ण तिवारी ने पुलिस को बताया कि वे रात में अपने घर पर थे तभी गांव के संजू पटेल, शिवम श्रीवास, रामसेवक सेन, कृष्णकुमार सेन और रमेश सेन लाठियां लेकर उनके घर के अंदर घुस आए। आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। वहीं दूसरे पक्ष से कृष्णकुमार सेन 41 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई कि वे रामकृष्ण तिवारी के घर के पास थे, तभी रामकृष्ण, चंद्रिका तिवारी, शिवनारायण तिवारी और सालिकराम तिवारी ने उन्हें घेर लिया और गंदी गालियां देते हुए लाठियों से हमला कर दिया। इस हमले में रामसेवक उर्फ बल्लू सेन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 9 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशोर के साथ मारपीट

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के पुरैनी गांव स्थित शासकीय स्कूल परिसर में शनिवार दोपहर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। जानकारी के अनुसार, पुरैनी निवासी 17 वर्षीय छात्र सौरभ चौधरी दोपहर करीब 2 बजे स्कूल में था तभी गांव के ही राज कोल और रितेश कोल वहां पहुंचे। किसी पुरानी बात को लेकर आरोपियों ने सौरभ को गालियां देना शुरू कर दिया। जब सौरभ के भाई राज चौधरी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने दोनों भाइयों को घेरकर लात-घूसों और डंडों से बेरहमी से पीट दिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पुलिस ने सौरभ चौधरी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

महिलाएं आपस में भिड़ी क्रॉस केस दर्ज

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत सिविल लाइन की राम रानी जौहर गली में बीती रात दो पड़ोसी परिवारों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में दोनों ही पक्षों की महिलाएं लहूलुहान हो गईं, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस केस दर्ज किया है। सुमन रजक 50 वर्ष पति राजेश रजक ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे उनके घर के पास रहने वाले अजीत खटीक, बिट्टू, नीरज और श्यामा ने उन्हें घेर लिया और गंदी-गंदी गालियां देते हुए उनके साथ मारपीट की। वहीं दूसरी पड़ोसी रोशनी कछवाहा 55 वर्ष पति स्व. मुकेश कछवाहा ने शिकायत दर्ज कराई कि राजेश रजक की पत्नी सुमन रजक ने उनके घर के पास आकर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देकर उनके साथ मारपीट की।पुलिस ने दोनों ही पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में बरही निवासी दंपत्ति की मौत

कटनी। बरही निवासी एक परिवार की कार उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में बरही निवासी विकास ताम्रकार 40 और उनकी पत्नी सोनम ताम्रकार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कदमः लीनेस क्लब ने जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन की भेंट, स्वरोजगार की मिली नई राह

धनपुरी। समाज सेवा केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं होती, बल्कि किसी जरूरतमंद को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर देना सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है। इसी सोच को साकार करते हुए लीनेस क्लब ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए जरूरतमंद महिला शिवानी वर्मा को सिलाई मशीन भेंट की। क्लब के इस सहयोग से अब शिवानी स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेगी।

सिलाई मशीन प्राप्त करने के बाद भावुक हुई शिवानी वर्मा ने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण वह लंबे समय से सिलाई मशीन खरीदने में असमर्थ थी। सिलाई का हुनर होने के बावजूद संसाधनों के अभाव में वह अपनी प्रतिभा का उपयोग नहीं कर पा रही थी। लीनेस क्लब के इस सहयोग ने उसके जीवन में नई उम्मीद जगा दी है। अब वह घर से ही सिलाई का कार्य कर अपनी आजीविका अर्जित कर सकेगी तथा परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी सहयोग दे पाएगी।

इस पुनीत सेवा कार्य में क्लब की चेयरपर्सन ज्योति खनूजा का विशेष योगदान रहा। उनके सहयोग से शिवानी वर्मा को सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे उसके उज्ज्वल और स्वावलंबी भविष्य की मजबूत नींव रखी गई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसी जरूरतमंद को आत्मनिर्भर बनाना समाज के प्रति सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास महिलाओं के आत्मविश्वास को नई उड़ान देते हैं।

क्लब की अध्यक्ष बिन्दा भगत ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही सच्चे अर्थों में समाज को सशक्त बनाना है। लीनेस क्लब वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है तथा भविष्य में भी जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।कार्यक्रम में क्लब की सचिव अंजू दुआ, कोषाध्यक्ष अर्चना ओझा सहित प्रतिमा जैन, स्नेहलता गुप्ता, शैला गुप्ता, अंजू अग्रवाल, जसमीत लांबा, श्यामा गुप्ता, साधना अग्रवाल, आरती खनूजा, ज्योति खनूजा, मोनिका अग्रवाल, आरती खंडेलवाल एवं रजनी जैन उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए शिवानी वर्मा को उज्ज्वल, सफल एवं स्वावलंबी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।यह पहल केवल एक सिलाई मशीन का वितरण नहीं, बल्कि एक महिला के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ाया गया सार्थक कदम है।

पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी से बढ़ा खतरा, अमलाई कोल यार्ड से उड़ रही कोयले की धूल

अमलाइ। अमलाइ रेलवे स्टेशन के समीप संचालित कोल यार्ड में पर्यावरणीय नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। प्रतिदिन भारी वाहनों के माध्यम से बड़ी मात्रा में कोयले का भंडारण एवं लोडिंग-अनलोडिंग की जा रही है, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण के आवश्यक उपाय प्रभावी रूप से लागू नहीं किए जा रहे हैं। इसका खामियाजा आसपास के रहवासी धूल और प्रदूषण के रूप में भुगत रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कोल यार्ड से उड़ने वाली कोयले की धूल पूरे क्षेत्र में फैल रही है, जिससे लोगों को सांस संबंधी बीमारियों, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभागों से शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कोयले के भंडारण के दौरान न तो नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाता है और न ही धूल नियंत्रण के अन्य आवश्यक उपाय अपनाए जाते हैं। प्रतिदिन कई टन कोयले की लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान उड़ने वाली धूल आसपास के रहवासी इलाकों तक पहुंच रही है, जिससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन नहीं होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा रेलवे प्रशासन को लगातार क्लीन चिट दी जा रही है, जिससे जिम्मेदार एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण कर पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं तथा नियमों के उल्लंघन पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करें।

अमलाई के शंकर मंदिर प्रांगण में उत्साहपूर्वक सुना गया 'मन की बात' कार्यक्रम

अमलाई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री के श्मन की बातश् कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद अमलाई के विभिन्न बूथों पर उत्साहपूर्वक किया गया। बूथ क्रमांक-9 पर आयोजित कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के मार्गदर्शन तथा बूथ अध्यक्ष अरविंद साहनी एवं कार्यक्रम प्रभारी पवन कुमार चीनी (पार्षद) के नेतृत्व में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में पूर्व मंडल महामंत्री यदुराज पनिका, अजय दहिया, संजय मौर्य, युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि दुबे, नीरज नामदेव, विजय तिवारी, बृजेंद्र मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, राजेश यादव, राहुल सिंह, गौरी प्रसाद राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री के श्मन की बातश् कार्यक्रम को सुना और उसमें व्यक्त विचारों पर चर्चा की। कार्यक्रम के अवसर पर प्रभारी पवन कुमार चीनी एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा सफाई कर्मियों का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने इसे समाज के प्रति सेवा और सम्मान की भावना को मजबूत करने वाला प्रेरणादायी आयोजन बताया।

छूटे हुए बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दो बूंद

उमरिया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जिले में मुख्य दिवस पर छूटे हुए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। इसी क्रम में ग्राम बरबसपुर, ग्राम परासी, ग्राम सरसवाही सहित जिले के अनेक गांवों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों ने घर-घर पहुंचकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई। टीमों ने अभिभावकों को पोलियो से बचाव के महत्व की जानकारी भी दी तथा सभी पात्र बच्चों को अनिवार्य रूप से दवा पिलाने की अपील की। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि किसी कारणवश उनका 0 से 5 वर्ष तक का बच्चा मुख्य दिवस पर पोलियो की खुराक नहीं ले पाया है, तो 30 जून को चल रहे विशेष अभियान का लाभ अवश्य उठाएं। सभी के सहयोग से ही जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने तथा पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को सफलतापूर्वक साकार किया जा सकता है।

मानसून सत्र की अवधि में 30 जून से 1 अक्टूबर तक खनन का कार्य प्रतिबंधित

उमरिया। भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सस्टेनेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2016 जारी की गई है। जिसके अनुसार भारतीय मौसम विज्ञान विभाग नागपुर अनुसार म.प्र. में वर्षा ऋतु हेतु मानसून सत्र की अवधि दिनांक 15 जून से 1 अक्टूबर तक के लिए निर्धारित की गई है तथा उक्त निर्देश एवं संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म भोपाल के पत्र के माध्य म से दिये गये निर्देशानुसार जिले में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में स्थानीय मौसम परिवर्तन के आधार पर उक्त निर्धारित वर्षाकाल अवधि में परिवर्तन किया जा सकता है। जिले में अल्प वर्षा के कारण अभी तक रेत खदाने बंद नहीं की गई है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उक्त निर्देशों के पालन में जिले में मानसून सत्र की अवधि 30 जून 2026 की मध्यरात्रि से एक अक्टूबर 2026 तक के लिये उमरिया जिले की सीमा में स्थित समस्त रेत खदानों, रेत धारित नदी-नालों घाटों में खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले में स्थित समस्त रेत खदानों के सर्व संचालक उक्त आदेश का पालन करना सुनिश्चित करेंगे ।

स्कूल चले हम अभियान अन्तर्गत शाला प्रारंभ उत्सव कायक्रम द्वितीय चरण के लिए लगाई गई अधिकारियों की ड्यूटी

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा अभियान श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में स्कूल चले हम अभियान अन्तर्गत शाला प्रारंभ उत्सव कार्यक्रम द्वितीय चरण के तहत पुनः शासकीय शालायें प्रारंभ हो गई है। शासन के निर्देशानुसार 30 जून 2026 को जिले के समस्त शासकीय शालाओं में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए विभिन्न विभागों के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को एक प्रेरक के रूप में एक कालखण्ड शिक्षण हेतु नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि समस्त अधिकारीगण शासन के निर्देशानुसार आवंटित विदयालयों में जाकर एक पीरियड अध्यापन कराते हुए साथ में संलग्न निरीक्षण प्रपत्र के अनुसार निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय को प्रस्तुत करें।

भ्रष्टाचार का गढ़ बनी मानपुर की पडख़ुरी पंचायत

नाली निर्माण में रेत की जगह झोंकी जा रही डस्ट

डूब क्षेत्र में पुलिया बनाकर फूंक डाले लाखों रुपये

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत पडख़ुरी इस समय भ्रष्टाचार और सरकारी धन की लूट-खसोट का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी है। जिला मुख्यालय से दूरी का फायदा उठाकर यहां के सरपंच, सचिव और उपयंत्री की तिकड़ी ने विकास कार्यों के नाम पर लूट मचा रखी है। आलम यह है कि नियमों और सरकारी गाइडलाइंस को पैरों तले रौंदते हुए मनमाने ढंग से घटिया निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं और जनता के खून-पसीने की कमाई को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में पंचायत द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य में की जा रही खुली धांधली ने ग्रामीणों के सब्र का बांध तोड़ दिया है।

स्टीमेट को दिखाया ठेंगा

पडख़ुरी पंचायत में चल रहे नाली निर्माण में तकनीकी मापदंडों का मखौल उड़ाया जा रहा है। नियमानुसार निर्माण कार्य में अच्छी गुणवत्ता की रेत का उपयोग होना चाहिए, लेकिन सरपंच-सचिव मोटी कमाई के चक्कर में धड़ल्ले से रेत की जगह डस्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे शर्मनाक भूमिका तकनीकी अमले यानी उपयंत्री की है। निर्माण कार्य का स्टीमेट बनाने से लेकर उसकी गुणवत्ता जांचने की जिम्मेदारी जिस उपयंत्री पर थी, उसने दफ्तर में बैठकर अपनी आंखें बंद कर ली हैं। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि उपयंत्री की शह और मौन सहमति के बिना इतना बड़ा खेल मुमकिन नहीं है। स्टीमेट को दरकिनार कर किए जा रहे इस घटिया निर्माण से यह नाली पहली बारिश भी झेलने की स्थिति में नहीं है।

भंडार-क्रय नियमों की धज्जियां

इस पंचायत में केवल निर्माण कार्यों में ही नहीं, बल्कि कागजी और प्रशासनिक कार्यों में भी जमकर धांधली की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत में भंडार एवं क्रय नियमों का पालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। मटेरियल सप्लाई से लेकर फोटोकॉपी, रजिस्टर और ऑनलाइन कार्यों के नाम पर फर्जी कोटेशन तैयार किए गए हैं। सरपंच और सचिव ने मिलीभगत करके अपने चहेतों और रिश्तेदारों के नाम पर फर्जी बिल लगाए और सरकारी खजाने से लाखों रुपये का भुगतान कराकर सीधे अपनी जेबें भर लीं। अगर इस पंचायत के बिल-वाउचरों और सामग्री खरीदी की निष्पक्ष वित्तीय जांच कराई जाए, तो सरपंच, सचिव और संबंधित उपयंत्री सीधे जेल की सलाखों के पीछे नजर आएंगे।

अंधेर नगरी-चौपट राजा

सरपंच, सचिव और उपयंत्री की जुगलबंदी का सबसे हैरान करने वाला कारनामा गांव के डूब क्षेत्र में देखने को मिला है। इन जिम्मेदारों ने अपनी वित्तीय भूख मिटाने के लिए एक ऐसी जगह पर भारी-भरकम लागत से पुलिया का निर्माण करवा दिया, जो साल के 10 महीने पानी में डूबी रहती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह जानते हुए भी कि बरसात शुरू होते ही यह पूरा इलाका जलमग्न हो जाता है और पुलिया का कोई उपयोग नहीं रह जाता, वहां लाखों रुपये फूंक दिए गए। यह सीधे तौर पर शासकीय धन का अपव्यय और गबन का मामला है, जिसे सिर्फ और सिर्फ कमीशनखोरी के चक्कर में अंजाम दिया गया है।

जांच हुई तो खुलेगा घोटालों का पिटारा

जनपद पंचायत मानपुर के अंतिम छोर पर बैठी इस भ्रष्ट तिकड़ी के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे ग्रामीणों की जायज आपत्तियों को भी अनसुना कर देते हैं, लेकिन अब ग्रामीणों का आक्रोश सातवें आसमान पर है। स्थानीय जनता ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि पडख़ुरी पंचायत में नाली निर्माण, डूब क्षेत्र की पुलिया और विभिन्न फर्जी बिल भुगतानों की मौके पर जाकर उच्च स्तरीय जांच की जाए। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इस भ्रष्ट तंत्र पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

खबर संक्षेप

1 अक्टूबर तक अनूपपुर जिले की सभी रेत खदानों में उत्खनन रहेगा प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने मानसून सत्र के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं नदी तंत्र के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिले की सभी स्वीकृत रेत खदानों में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, जिले में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 30 जून की मध्यरात्रि के पश्चात से 1 अक्टूबर तक सभी चिन्हित रेत घाटों पर खनन एवं रेत उत्खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बताया कि यह निर्णय राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण, मध्यप्रदेश, भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी सस्टेनेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइंस-2020 तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा निर्धारित वर्षाकाल अवधि के अनुरूप लिया गया है। इन निर्देशों के अनुसार मानसून के दौरान नदी तंत्र एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से रेत उत्खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाता है। आदेश के तहत जिले की सभी स्वीकृत रेत खदानों के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे खदानों से रेत निकासी के लिए बनाई गई अस्थायी संरचनाएं, जैसे अस्थायी पुल, पुलिया, सड़क निर्माण हेतु डाली गई मिट्टी, मुरूम एवं अन्य मलबे को नदी के जल प्रवाह क्षेत्र से हटाना सुनिश्चित करें, ताकि वर्षा ऋतु में जल प्रवाह बाधित न हो। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सभी रेत खदान संचालकों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज ने मनाया महेश नवमीं का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माहेश्वरी समाज ने अपने वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया। संभाग स्तरीय कार्यक्रम 28 जून को होटल लेवल वन आहूजा मार्केट शहडोल में मनाया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पुरुषों, महिलाओ एवं बच्चों ने सर्वप्रथम भगवान शिवजी की पूजा, अर्चना दीप प्रज्वलन कर की। तत्पश्चात सभी ने शिवजी की आरती कर्पूरगौरं करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानि सहितं नमामि एवं ओम जय जगदीश हरे की। तत्पश्चात महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी सुनता है सबकी विनती मेरा भोलेनाथ की शानदार प्रस्तुति दी। माहेश्वरी महिला मंडल से वनिता लखोटिया, एमएल मंत्री, कमल कुमार मूंदड़ा, आलोक खटोड़, अरविंद बियानी ने समाज को लेकर अपनी बात रखी एवं कहा कि माहेश्वरी समाज का स्लोगन सेवा, त्याग, सदाचार की भावना लेकर सभी आगे बढ़े। साथ ही सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने महेश नवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मध्य में ही जायकेदार नाश्ता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पश्चात छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिमांश मूंदड़ा, प्रिंसा भंडारी, जानवी मूंदड़ा ने राजस्थानी परिधान में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में आदेश खटोड़, डॉक्टर मंजूला मूंदड़ा, दीपा पचीसिया, सुनीता मूंदड़ा, रितु मूंदड़ा ने भी अपनी बातों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने माहेश्वरी हैं हम पर जोरदार डांस किया जिसकी सभी ने सराहना की।दीपा पचीसिया एवं सुरभि लखोटिया ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने अपने प्रतिभाओं का सम्मान भी किया। जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हिमांश मूंदड़ा, कनिका खटोड़, सेतु बियानी एवं अंश मूंदड़ा प्रमुख रहे। इसके साथ ही मानसी मूंदड़ा को गोल्ड मेडल मिलने पर उसका भी सम्मान किया गया।

फालोअप

8वीं के बाद क्यों रोका जा रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य?

आईजीएनटीयु मॉडल ट्राइबल स्कूल पर संकट

हरिभूमि
आवाज उठी तो हिटलरशाही फरमान जारी
आईजीएनटीयू में धरने से पहले लोकतंत्र पर हमला

अभिभावक संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (अमरकंटक) परिसर स्थित मॉडल ट्राइबल स्कूल को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उन्नत करने की वर्षों पुरानी मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सोमवार को अभिभावक संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गया है। अभिभावकों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन केंद्र सरकार को भ्रामक जानकारी देकर स्कूल के उन्नयन को लगातार टाल रहा है, जिससे आठवीं उत्तीर्ण कर चुके सैकड़ों आदिवासी विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। उनका कहना है कि कई बार आवेदन, ज्ञापन और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कई सांसदों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखे जाने और राष्ट्रपति तक गुहार लगाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। अभिभावकों का कहना है कि यह केवल एक स्कूल के विस्तार का मुद्दा नहीं, बल्कि आदिवासी बच्चों के शिक्षा के अधिकार, समान अवसर और सामाजिक न्याय से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न है।

8वीं के बाद शिक्षा पर लगा विराम, बच्चों का भविष्य संकट में

मॉडल ट्राइबल स्कूल की स्थापना आदिवासी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन विद्यालय आज भी केवल कक्षा 8वीं तक सीमित है। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को अन्य स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों के अनेक बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते 9वीं से 12वीं तक कक्षाओं का संचालन शुरू नहीं हुआ तो अनेक प्रतिभाशाली छात्र शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

आवेदन, ज्ञापन और सांसदों के पत्र भी नहीं आए काम

विद्यालय के उन्नयन के लिए अभिभावकों, छात्र संगठनों और सामाजिक संस्थाओं ने कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपे। इसके बाद शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और खरगोन-बड़वानी सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल ने भी केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को अनुशंसा पत्र भेजे। राष्ट्रपति को ज्ञापन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात के बावजूद अब तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, जिससे अभिभावकों में गहरा असंतोष है।

प्रशासन पर गुमराह करने का आरोप, हड़ताल का ऐलान

अभिभावक संघ का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन वास्तविक स्थिति से केंद्र सरकार को अवगत कराने के बजाय भ्रामक जानकारी प्रस्तुत कर रहा है। उनका कहना है कि लगातार उपेक्षा के कारण अब शांतिपूर्ण और अनिश्चितकालीन आंदोलन ही अंतिम विकल्प बचा है। अभिभावकों का स्पष्ट कहना है कि जब तक विद्यालय को कक्षा 12वीं तक उन्नत करने का लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

धरना से पहले प्रतिबंध, लोकतांत्रिक अधिकारों पर उठे सवाल

धरना की अनुमति मांगने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन और मुख्य द्वार के आसपास प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए गए। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर संवाद स्थापित करने के बजाय आंदोलन पर रोक लगाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उनका मानना है कि प्रशासन को प्रतिबंध लगाने के बजाय समस्या के समाधान के लिए सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

शिक्षा बचाओ आंदोलन बना आदिवासी अधिकारों की आवाज

अभिभावकों का कहना है कि यह संघर्ष किसी संस्था के विरोध का नहीं, बल्कि आदिवासी बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का अभियान है। उनका विश्वास है कि शिक्षा ही सामाजिक न्याय, समान अवसर और आत्मनिर्भरता का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज, जनप्रतिनिधियों और सरकार से अपील की है कि मॉडल ट्राइबल स्कूल को शीघ्र कक्षा 12वीं तक उन्नत किया जाए ताकि जनजातीय विद्यार्थियों को अपने ही परिसर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा पर अमरकंटक में उमड़ी आस्था

दस हजार श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में लगाई पुण्य डुबकी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, मूल नक्षत्र, सोमवार 29 जून के पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी पुण्यसलिला मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। अनुमानतः लगभग 10 हजार श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे और रामघाट, कोटितीर्थ कुंड तथा आरंडी संगम तट पर पवित्र स्नान कर मां नर्मदा उद्गम मंदिर में दर्शन-पूजन, जलाभिषेक एवं आरती में सहभागिता की। प्रातःकाल से ही नर्मदा उद्गम मंदिर, रामघाट, कोटितीर्थ कुंड एवं अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, शांति एवं मंगलमय जीवन की कामना की। दिनभर मंदिर परिसर एवं घाटों पर धार्मिक वातावरण बना रहा और देर शाम तक स्नान एवं दर्शन का क्रम निरंतर चलता रहा।

स्नान-दान, व्रत एवं वट पूर्णिमा का विशेष महत्व

स्नान-दान व्रत पूर्णिमा तथा वट पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोटितीर्थ कुंड में अनेक पूजा-पाठी पुरोहित एवं साधक मां नर्मदा के पवित्र जल में खड़े होकर जप, तप एवं साधना में लीन रहे। श्रद्धालुओं ने माला जाप, ध्यान एवं ईश्वर उपासना कर आध्यात्मिक साधना का पुण्य लाभ प्राप्त किया। अनेक श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर धर्मलाभ अर्जित किया तथा पूर्णिमा के व्रत का पालन किया।

रिमझिम वर्षा से मौसम हुआ सुहावना

संध्याकाल में हुई वर्षा से अमरकंटक का मौसम अत्यंत सुहावना बना रहा। वर्षा के कारण श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत मिली और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण और भी मनोहारी हो गया। मां नर्मदा की पावन धारा, हरियाली से आच्छादित पर्वतीय वातावरण एवं श्रद्धालुओं की भक्ति ने अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक आलोकित कर दिया।

आर्थिक तंगी से जूझ रही मां-बेटी ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर की खुदकुशी

अनूपपुर में आर्थिक तंगी का दर्दनाक अंत सुसाइड नोट में लिखा हम किसी पर बोझ नहीं बनना चाहते

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के खमरोध गांव में रविवार शाम एक हदयविदारक घटना सामने आई, जहां मां बेटी की आत्महत्या के बाद सुसाइड नोट सामने आया है। जिसमें आर्थिक तंगी से मां बेटी परेशान बताई जा रही है। जिसके कारण मां और बेटी ने एक ही आम के पेड़ की दो अलग-अलग डालियों पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 42 वर्षीय मीरा रैदास और उनकी 24 वर्षीय पुत्री पूनम रैदास के रूप में हुई है। मीरा रैदास अपने पति से अलगाव के बाद मायके में रहकर बेटी का पालन-पोषण कर रही थीं। पति से भरण-पोषण राशि दिलाए जाने का मामला न्यायालय में विचाराधीन था। बताया गया कि रविवार शाम लगभग चार बजे दोनों घर से कुछ दूरी पर स्थित एकांत स्थान में पहुंचे और आम के पेड़ की दो अलग-अलग डालियों पर रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। स्थानीय ग्रामीण के शव देखे जाने के बाद सूचना ग्रामीणों के साथ पुलिस को दी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आर्थिक तंगी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। जांच में सामने आया है कि रविवार सुबह मां-बेटी कोतमा बाजार गई थीं, जहां से उन्होंने रस्सी खरीदी थी। इसके बाद गांव लौटकर दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। मौके से पुत्री द्वारा लिखा गया एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि हम किसी पर बोझ नहीं बनना चाहते। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है और उसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पति पत्नी से लंबे समय से अलग रह रहा है, कोर्ट से उसके भरण पोषण दिए जाने का मामला चल रहा है। पति का पत्नी से अलग होने का कारण पत्नी की मानसिक स्थिति बेहतर नहीं होना बताया गया है, जिसके कारण पति वर्तमान में जमुना में रहता है और पत्नी मायका खमरोध में रहती थी। बेटी पूनम ग्रेजुएट थी, और कंप्यूटर कोर्स कर रही थी। पति प्रायवेट जॉब के साथ खेती-बाड़ी का काम करता है। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत विवेचना जारी है।

दर्दनाक हादसे के बाद शर्मनाक व्यवस्था, आंसुओं के बीच अंतिम सफर

मासूम के शव के लिए भी नहीं मिली एंबुलेंस

आशीष द्विवेदी

भालूमाड़ा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। केवई नदी के पंप हाउस के पास नहाने के दौरान 13 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवम गुप्ता (13 वर्ष) पिता सोभनाथ गुप्ता, निवासी दफाई भालूमाड़ा, अपने 5-6 दोस्तों के साथ केवई नदी के पंप हाउस के पास पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान शिवम नदी में नहाने के लिए उतरा, लेकिन गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर पुलिस, स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन सबसे दुखद और शर्मनाक पहलू यह रहा कि मृतक बच्चे के शव को अस्पताल या घर तक ले जाने के लिए प्रशासन की ओर से कोई वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया। आखिरकार, बेबस और दुख से टूटे परिजनों को मासूम के शव को मोटरसाइकिल पर रखकर ले जाना पड़ा। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर गया और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर गया। सवाल यह है कि जब मौके पर पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद था, तब एक मासूम के शव को सम्मानपूर्वक ले जाने के लिए एंबुलेंस या अन्य वाहन की व्यवस्था क्यों नहीं हो सकी? क्या यही हमारी व्यवस्था है? क्या यही सरकारी संवेदनशीलता है? एक ओर शासन बेहतर स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं के दावे करता है, वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाएं उन दावों की वास्तविकता उजागर कर देती हैं। एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत का दुख तो परिवार कभी नहीं भूल पाएगा, लेकिन उससे भी अधिक पीड़ादायक यह है कि अंतिम यात्रा की शुरुआत भी सम्मानजनक ढंग से नहीं हो सकी। परिजनों को शव मोटरसाइकिल पर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो प्रशासनिक लापरवाही और संवेदनहीनता का गंभीर उदाहरण माना जा रहा है। यह घटना कई सवाल छोड़ जाती है। क्या किसी मृतक को सम्मानपूर्वक अंतिम यात्रा के लिए एक वाहन उपलब्ध कराना भी व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं है? क्या प्रशासन की संवेदनशीलता केवल कागजों तक सीमित रह गई है?

निःशब्द...!

यह सिर्फ एक परिवार का दुर्भाग्य नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का ऐसा चेहरा है, जो हर संवेदनशील व्यक्ति को सोचने पर मजबूर कर देता है। आखिर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति कब रुकेगी और जिम्मेदार लोग अपनी जवाबदेही कब तय करेंगे?

साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस, शाखा अनूपपुर की यूथ विंग की प्रथम बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

28 जून साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस, शाखा अनूपपुर की युथ विंग की प्रथम बैठक शाखा कार्यालय, अनूपपुर में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सुश्री मोमिता मजमुद्दार को युथ विंग, शाखा अनूपपुर का अध्यक्ष तथा किशन द्विवेदी को शाखा सचिव मनोनीत किया गया। शाखा के कोषाध्यक्ष सदाशिव पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे मजदूर कांग्रेस, बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण तथा मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के निर्देशन में अनूपपुर शाखा में युथ विंग का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि अनूपपुर शाखा के अंतर्गत आने वाले 11 रेलवे स्टेशनों के 40 वर्ष तक आयु वर्ग के रेल कर्मचारियों को युथ विंग में विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि युथ विंग के गठन का उद्देश्य युवा रेल कर्मचारियों में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भावना का विकास करना, रेलवे के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा युवा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें सक्षम नेतृत्व प्रदान करना है। साथ ही रेलवे मजदूर कांग्रेस, बिलासपुर में नए नेतृत्व को आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना भी इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। बैठक में शाखा संरक्षक रामबली, सहायक सचिव एस. संजीव राव, सहायक सचिव कमलेश राठौर, नवनियुक्त अध्यक्ष मोमिता मजमुद्दार, शाखा सचिव किशन द्विवेदी, शुभम पाण्डेय, चंदन कुमार, मुकेश यदुवंशी, जान सिंह, मनीष यादव, दीपक राज, राहुल, अंकित, कार्यालय प्रभारी. सूर्या राव सहित बड़ी संख्या में युवा रेल कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में संगठन को मजबूत बनाने, युवा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाने तथा रेलवे के हित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

संत कबीर जयंती पर हुए धार्मिक आयोजन, पुष्कर तट एवं कबीर चबूतरा में ध्वज पूजन, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ पारंपरिक रीति-रिवाज और विधि-विधान से मनाई गई। इस अवसर पर पुष्कर तट तथा कबीर चबूतरा धाम में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुण्य सलिला मां नर्मदा के पुष्कर बांध तट स्थित ध्वज स्तंभ पर विधिवत ध्वज पूजन, आरती एवं पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात संत कबीर दास जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धालुओं ने आरती एवं पूजा-अर्चना की। कबीर पंथ के अनुयायियों ने संत कबीर के उपदेशों का स्मरण करते हुए भजन-कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भजन-कीर्तन के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए विशाल भोजन भंडारे का आयोजन किया गया। इसी प्रकार कबीर चबूतरा धाम में भी ध्वज पूजन, संत कबीर दास जी के छायाचित्र एवं प्रतिमा का पूजन-अर्चन, आरती तथा धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। यहां भी श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोजन कराया गया। पुष्कर तट पर सेवक गणेश दास महाराज के मार्गदर्शन में विशेष पूजन-अर्चन संपन्न हुआ, जबकि कबीर चबूतरा धाम में भी सेवकों द्वारा विधिवत धार्मिक अनुष्ठान कर संत कबीर दास जी के आदर्शों एवं संदेशों का स्मरण किया गया। संत कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित इन धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में कबीर पंथ के अनुयायी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।